an>

Title: Need to establish an AIIMS-like institute at Gorakhpur, Uttar Pradesh.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर): महोदय, गोरखपुर उत्तर प्रदेश का एक प्रमुख महानगर है। पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमोत्तर बिहार तथा नेपाल की तराई की एक बड़ी आबादी को लेकर लगभग छः करोड़ की आबादी अपनी शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार एवं रोजगार के लिए गोरखपुर पर निर्भर करती है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में इतनी बड़ी आबादी की स्वास्थ्य सुविधा के लिए एकमात्र चिकित्सा संस्थान बी.आर.डी. मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में है। राज्य सरकार के अल्प संसाधनों एवं उपेक्षा के कारण भी पूर्वी उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधा की आवश्यकताओं को पूरा करने में गोरखपुर मेडिकल कॉलेज पूरी तरह सफल नहीं है। नेपाल की तराई का यह क्षेत्र अनेक वेक्टर जनित बीमारियों, जैसे इन्सेफलाइटिस, मलेरिया, कालाज़ार, डेंगू आदि से प्रति वर्ष पूरी तरह प्रभावित होता है और प्रति वर्ष इससे हजारों मौतें यहां होती हैं। अकेले इन्सेफलाइटिस से पिछले 33 वर्षों में पूर्वी उत्तर प्रदेश में एक लाख से अधिक बच्चों की मौतें हुई हैं जिसमें बी.आर.डी. मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर में ही 35 हजार से अधिक मौतें हुई हैं और लगभग इतने ही बच्चे शारीरिक और मानसिक रूप से विकलांगता के शिकार हुए हैं। इन्सेफलाइटिस जैसी तमाम वेक्टर जनित बीमारियों से यह क्षेत्र लगातार पीड़ित है। स्वास्थ्य सुविधा के अभाव में लगातार हो रही मौतें शासन-प्रशासन की भयंकर लापरवाही को ही प्रदर्शित करती है।...(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव (आज़मगढ़) : सभापति महोदय, उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से कोई लापरवाही नहीं है।...(व्यवधान)

योगी आदित्यनाथ : महोदय, अगर यह लापरवाही नहीं है तो फिर इतनी मौतें कहां से हुई?...(व्यवधान)

महोदय, इन्हें बिठाइए।...(व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON : Mulayam Singhji, let him finish.

...(*Interruptions*)

योगी आदित्यनाथ : महोदय, अगर मैं आंकड़े प्रस्तुत करूंगा तो ये मुंह दिखाने लायक नहीं रहेंगे। ...(व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON: This is a matter under Rule 377. Nothing will go on record except the statement.

*(Interruptions) â€¦**

योगी आदित्यनाथ : महोदय, इन्सेफलाइटिस जैसी तमाम वेक्टर जनित बीमारियों से यह क्षेत्र लगातार पीड़ित है। स्वास्थ्य सुविधा के अभाव में लगातार हो रही मौतें शासन-प्रशासन की भयंकर लापरवाही को ही प्रदर्शित करती है।...(व्यवधान)

महोदय, यह भयंकर लापरवाही को ही प्रदर्शित करती है। पूर्वी उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर संसद में बार-बार सरकार का ध्यान आकर्षित करने के पश्चात 29 दिसम्बर, 2011 को केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने गोरखपुर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की तर्ज पर एक केन्द्रीय चिकित्सा संस्थान स्थापित करने की घोषणा की थी लेकिन तीन वर्ष में अभी तक इस संबंध में कोई प्रगति नहीं हुई है। केन्द्र में नयी सरकार के गठन होने पर माननीय वित्त मंत्री ने बजट भाषण में पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए एक एम्स की घोषणा की है।

कृपया व्यापक जनहित में पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए घोषित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान को गोरखपुर में स्थापित किया जाए और प्राथमिकता के आधार पर निर्माण का कार्य भी प्रारम्भ करने का कष्ट करें।

HON. CHAIRPERSON: This is a matter under Rule 377. Nothing will go on record except the statement.

*(Interruptions) â€¦**